सितंबर 2024

compass

The Salvation Army's Global Strategic Framework

People • Mission • Legacy

"हे भाइयो, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूँ; परन्तु केवल यह एक काम करता हूँ कि जो बातें पीछे रह गई हैं उनको भूल कर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ, निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूँ, ताकि वह इनाम पाऊँ जिसके लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।"
(फिलिप्पियों 3:13-14)

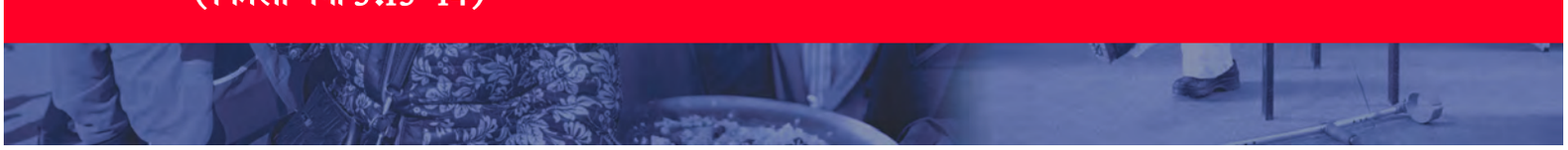

विषय - सूची

जनरल की ओर से	03
इतिहास और शुरुआती दिन	04
अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय का मिशन	05
कम्पास का विकास कैसे हुआ?	05
यात्रा जारी है	06
कम्पास के लिए दर्शन	08
ध्यान केंद्रित करने के तीन क्षेत्र	09
#1 लोगों को सशक्त बनाना	10
#2 मिशन के प्रभाव को बढ़ाना	12
#3 एक स्थायी विरासत को स्थापित करना	14
सफलता के लिए क्या आवश्यक है?	18
जवाबदेही और प्रभाव	19
निष्कर्ष	20
कम्पास सारांश	21

जनरल की ओर से

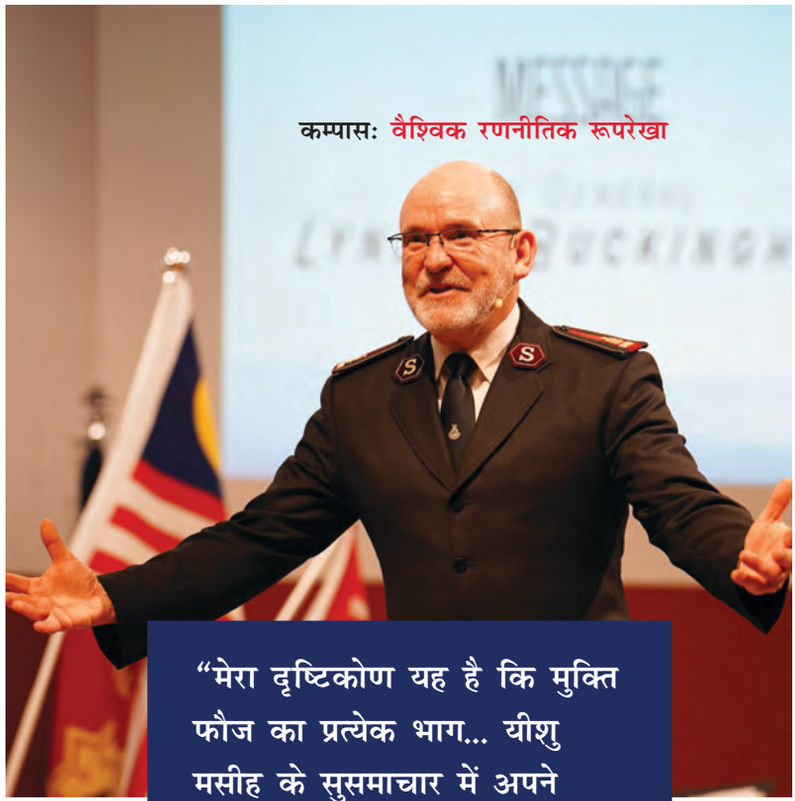

अभिवादन! मैं मुक्ति फौज के लिए आपके द्वारा किए गए बहुमूल्य योगदान के लिए परमेश्वर का आभारी हूँ। मुझे उम्मीद है कि कम्पास: मुक्ति फौज का वैश्विक रणनीतिक ढांचा पढ़ते समय आपका मन और हृदय प्रोत्साहित, चुनौती और कार्रवाई के लिए प्रेरित होगा।

हमें परमेश्वर की मुक्ति फौज का हिस्सा बनने का सुअवसर मिला है। हम परमेश्वर और लोगों से प्यार करने के लिए प्रतिबद्ध लोगों का एक बड़ा, विविध समूह हैं। हम दुनिया भर में 130 से अधिक देशों में सेवा कर रहे हैं। हम अलग-अलग चुनौतियों का सामना करते हैं और अक्सर मुश्किलों से जूझते हैं। इसलिए, आपके अन्तर्राष्ट्रीय और टैरिटोरियल अगुवे पिछले दो वर्षों से दुनिया भर में मुक्ति फौज के सामने आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों की पहचान करने की यात्रा पर हैं।

यह वैश्विक रणनीतिक ढांचा एक कम्पास की कल्पना का उपयोग करता है क्योंकि हम मुक्ति फौज के हर हिस्से को 12 प्राथमिकताओं के आधार पर कार्रवाई के लिए एक स्पष्ट दिशा प्रदान कर रहे हैं। आपके जनरल के रूप में यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं टैरिटोरियल और अन्तर्राष्ट्रीय अगुवों के ज्ञान और अनुभव को सुनूँ, उन कई अन्य लोगों की राय सुनूं जिनकी राय मुझे मिलती है और फिर, सबसे महत्वपूर्ण बात, इन सभी आवाजों को परमेश्वर के सिंहासन के सामने लाऊँ और समझूँ कि परमेश्वर अपनी मुक्ति फौज को किस दिशा में ले जाना चाहता है।

अब हम इन 12 प्राथमिकताओं को आपके साथ साझा करने के लिए तैयार हैं (इस दस्तावेज के अंत में सारांश देखें)। वैश्विक मुक्ति फौज कुछ सामान्य चुनौतियों को साझा करती है – उदाहरण के लिए, अपनी आत्मिक गहराई और पवित्रता के प्रति समर्पण को बढ़ाना। अन्य चुनौतियाँ भी हैं, जैसे कि ऑफिसर भत्ते, जो दुनिया के कुछ हिस्सों में दूसरों की तुलना में अधिक दबाव वाली हैं।

तीन शब्द 12 प्राथमिकताओं को सारांशित करते हैं:

- लोग
- मिशन
- विरासत

बेशक हम अलग-अलग जगहों से शुरुआत कर रहे हैं, हम सभी को यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम सभी अपने लोगों की देखभाल करें, अपने मिशन को आगे बढ़ाएँ और परमेश्वर को सम्मानित करने वाली विरासत छोड़ें। हमें मुक्ति फौज में सभी स्तरों पर गति बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक कोर, केंद्र, कार्यक्रम और मुख्यालय इस बात पर केंद्रित हो कि हमारे लोग परमेश्वर के मिशन को आगे बढ़ाने के लिए सुसज्जित हों और हम भविष्य के लिए ठोस नींव की विरासत छोड़ जाएं।

कम्पास : वैश्विक रणनीतिक रूपरेखा हमें ऐसा करने में मदद करेगी। हालाँकि, कम्पास का लक्ष्य सभी को एक ही आकार में समेटना नहीं है। कम्पास निर्धारित उत्तर प्रदान करने के बजाय हमारी दिशा निर्धारित करने में मदद करने वाले प्रश्नों पर आधारित है।

> **"मेरा दृष्टिकोण यह है कि मुक्ति फौज का प्रत्येक भाग... यीशु मसीह के सुसमाचार में अपने विश्वास के बारे में बेबाक हो, ताकि जीवन को बदला जा सके और पुरुषों और महिलाओं, लड़कों और लड़कियों को उनके स्वर्गीय पिता के प्रेमपूर्ण आलिंगन में समेटा जा सके।"**

यह सोचा-समझा है। आई.एच.क्यू. वर्तमान में टैरिटोरियल रणनीतियों को विकसित करने और उन्हें लागू करने के लिए किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्य को पहचानता है।[1] यह दस्तावेज दुनिया भर में मौजूद टैरिटोरियल रणनीतियों और दृष्टिकोणों का स्थान नहीं लेता है। हालाँकि, यह एक संरचना प्रदान करता है जिसमें टैरिटोरियल रणनीतियों और प्रदर्शन को संरेखित किया जा सकता है और इसके अनुसार मापन किया जा सकता है।

मेरा लक्ष्य है कि परमेश्वर के अनुग्रह से, मुक्ति फौज का हर हिस्सा दुनिया में अपने मिशन के बारे में स्पष्ट हो और यीशु मसीह के सुसमाचार में अपने विश्वास के बारे में निश्चित हो ताकि जीवन को बदला जा सके और पुरुषों और महिलाओं, लड़कों और लड़कियों को उनके स्वर्गीय पिता के प्रेमपूर्ण आलिंगन में समेटा जा सके।

कम्पास की रिलीज हमारी यात्रा में एक और कदम है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि मुक्ति फौज 21वीं सदी और उससे आगे की दुनिया में परमेश्वर के मिशन में भाग लेने के लिए सुसज्जित और सक्षम है। कुछ चुनौतियों को ठीक करने में कई साल लगेंगे, लेकिन परमेश्वर की शक्ति में हम उस पुरस्कार को जीतने के लक्ष्य की ओर आत्मविश्वास से आगे बढ़ रहे हैं जिसके लिए परमेश्वर ने हमें बुलाया है। चाहे आप एक टैरिटोरियल अगुवा हों, एक डिवीजनल अगुवा हों, एक कोर या केंद्र के अगुवा हों, मेरी प्रार्थनाओं के बारे में निश्चिन्त रहें क्योंकि आप अपनी जिम्मेदारी के क्षेत्र में कम्पास का उपयोग करते हैं।

जनरल लिंडन बकिंघम
अन्तर्राष्ट्रीय अगुवा

[1] मुक्ति फौज में, 'टैरिटरी' शब्द का अर्थ किसी देश के हिस्से या कई देशों के संयुक्त रूप से है जिसमें मुक्ति फौज एक टैरिटोरियल कमांडर के नेतृत्व में संगठित है।

इतिहास

जब विलियम और कैथरीन बूथ ने लंदन में काम शुरू किया जो आगे चलकर मुक्ति फौज बनी, तो शायद ही किसी ने उनकी विरासत की कल्पना की होगी: एक संस्था, मसीही कलीसिया का हिस्सा, जो अब 130 से ज्यादा देशों में काम कर रही है, जिसका इतिहास 150 से ज्यादा सालों का है। इस दौरान, यहाँ लाखों सदस्यों वाले हजारों चर्चों की स्थापना हुई है, और दुनिया भर में अनगिनत व्यक्तियों की मदद की गई है – लेकिन इस संस्था की शुरुआत बहुत साधारण थी।

शुरुआती दिन

1829 में नॉटिंघम, यू.के. में जन्मे विलियम बूथ ने अपने जीवन की शुरुआत में ही मसीही विश्वास को अपना लिया और एक सक्रिय मेथोडिस्ट बन गए, अपने स्थानीय क्षेत्र में गरीबों को उपदेश देने और उनकी मदद करने लगे। एक समय तक एक साहूकार के रूप में काम करने के बाद, उन्होंने शादी कर ली और अपनी पत्नी कैथरीन (विवाह पूर्व ममफोर्ड) के साथ लंदन के पूर्व में चले गए। उन्होंने मसीही व्यापारियों के एक समूह के साथ काम करना शुरू किया, जो अपने समुदाय में गरीबों और वंचितों के लिए चिंतित थे। जून 1865 में, विलियम बूथ ने 'द ब्लाइंड बेगर' शराबखाने के बाहर भीड़ को उपदेश दिया। परिणामस्वरूप परमेश्वर द्वारा एक नई संस्था का निर्माण हुआ। क्रिश्चियन मिशन जल्द ही वजूद में आई।

1878 में, क्रिश्चियन मिशन को एक नया नाम मिला। विलियम बूथ ने उस वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट में शामिल एक वाक्यांश पर आपत्ति जताई: "क्रिश्चियन मिशन... एक स्वयंसेवी फौज है।" "स्वयंसेवक" शब्द को "मुक्ति" से बदलने से, मुक्ति फौज को अपना नया शीर्षक मिला – समाज के अन्याय से लड़ने और लोगों को परमेश्वर को समझने में नजदीक लाने में इसकी भूमिका के लिए एक प्रेरित रूपक। समय के साथ, संस्था ने सैन्य-शैली की उपाधियाँ प्राप्त कीं (उदाहरण के लिए, पादरी "ऑफिसर" बन गए) और यहाँ तक कि परमेश्वर के प्रति समर्पण को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन की गई वर्दी भी।

आज की मुक्ति फौज और 1865 की मुक्ति फौज के बीच अंतर के बावजूद, संस्था का परमेश्वर के प्रति प्रेम जारी है और लोगों और उनकी परिस्थितियों के लिए प्रासंगिक होना जारी रखता है। यीशु के सुसमाचार को कार्य में लाने की वही भावना, जैसा कि शुरुआती दिनों में थी, साप्ताहिक आराधना सभाओं, बाहरी कार्यक्रमों, समूहों और गतिविधियों, आपदाओं का जवाब देने और जरूरतमंद लोगों की मदद करने वालों को व्यावहारिक सहायता प्रदान करने के माध्यम से जारी है।

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय का मिशन

लंदन, यूके में स्थित अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय (आई.एच.क्यू.), यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करने और बिना किसी भेदभाव के उसके नाम पर मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए मुक्ति फौज को परमेश्वर द्वारा सौंपे गए विश्वव्यापी मिशन को पूरा करने के लिए जनरल का समर्थन करने के लिए मौजूद है।

ऐसा करने के द्वारा, यह जनरल की सहायता करता है :

- आत्मिक नेतृत्व प्रदान करना, मुक्ति फौज के भीतर आत्मिक जीवन के विकास को बढ़ावा देना, तथा अपने मिशन की प्राप्ति के लिए मुक्ति फौज की परमेश्वर पर निर्भरता पर जोर देना।
- समग्र रणनीतिक नेतृत्व प्रदान करना तथा अन्तर्राष्ट्रीय नीतियाँ निर्धारित करना।
- मुक्ति फौज के संचालन को निर्देशित करना तथा उसका प्रबन्धन करना तथा उसके हितों की रक्षा करना ख़ नियुक्तियों तथा जिम्मेदारी के साथ अधिकार तथा जिम्मेदारी सौंपने के माध्यम से।
- टैरिटारियों को सशक्त बनाना तथा उनका समर्थन करना, उनके अगुवों को प्रोत्साहित करना तथा उनकी देखभाल करना, तथा स्थानीय दर्शन तथा पहलों को प्रेरित करना।
- मुक्ति फौज की अन्तर्राष्ट्रीयता को मजबूत करना, उसकी एकता, उद्देश्यों, विश्वासों तथा भावना को संरक्षित करना, तथा उसके मानकों को बनाए रखना।
- कार्मिकों के विकास, तैनाती तथा अन्तर्राष्ट्रीय साझाकरण को बढ़ावा देना।
- दुनिया भर में वित्तीय संसाधनों के विकास तथा साझाकरण को बढ़ावा देना, तथा मुक्ति फौज के अन्तर्राष्ट्रीय कोषों का प्रबंधन करना।
- अन्तर्राष्ट्रीय विकास में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना तथा ज्ञान, विशेषज्ञता तथा अनुभव को साझा करना।
- अन्य विश्वव्यापी निकायों के साथ मुक्ति फौज के संबंधों को विकसित करना।

कम्पास का विकास कैसे हुआ?

यह दस्तावेज दो साल की यात्रा को दिखाता है जो जटिल सामाजिक ताकतों, संस्थागत धर्म की समकालीन धारणाओं और पर्याप्त संसाधन विनियोजन के लिए बढ़ती चिंताओं के बारे में जागरूकता और अनुकूलन के लिए दृढ़ संकल्प को प्रदर्शित करता है। यह जनरल के दर्शन और अन्तर्राष्ट्रीय अगुवों के परामर्श में निहित है।

कम्पास: मुक्ति फौज का वैश्विक रणनीतिक ढांचा यह भी दर्शाता है कि मुक्ति फौज को मसीह की देह के माध्यम से दुनिया पर अधिक प्रभावी प्रभाव डालने के लिए, इसे लोगों पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए, अपने मिशन की अनिवार्यताओं को आगे बढ़ाना चाहिए और सेवकाई की निष्ठा स्थापित करनी चाहिए जो अगली पीढ़ी में पनपेगी।

कम्पास जनरल और दुनिया भर में काम का प्रतिनिधित्व करने वाले वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय अगुवों के जनादेश को पूरा करने के लिए एक एकीकृत कार्यक्रम दृष्टिकोण का वर्णन करता है।

यात्रा जारी है।

ऐतिहासिक रूप से, मुक्ति फौज एक कलीसिया संस्था रही है जिसने समय के बदलते सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों के साथ अपने आप को ढाला है और समय के हिसाब से सबसे कमजोर लोगों की दुर्दशा को बेहतर बनाने का प्रयास किया है। उदाहरण के लिए, माचिस उद्योग द्वारा महिलाओं और बच्चों के साथ अनुचित व्यवहार और जहरीले सफेद फास्फोरस का उपयोग, जिससे भयानक स्वास्थ्य स्थितियाँ पैदा होती थीं, इस दुर्दशा को देखकर 1881 में विलियम बूथ ने माचिस उत्पादन का कारखाना खोला। उन्होंने 'उचित काम के लिए उचित वेतन' का विज्ञापन दिया और एक सुरक्षित फास्फोरस रसायन का इस्तेमाल किया। दस साल के भीतर, उद्योग ने अपनी जोखिम भरी प्रथाओं को बदल दिया था। बूथ ने सुरक्षित और निष्पक्ष कार्यस्थल बनाने के अपने उद्देश्यों को पूरा करने के बाद, माचिस की फैक्ट्री बंद कर दी।

पिछले कुछ वर्षों में और पूरी दुनिया में, मुक्ति फौज ने उन लड़कियों और महिलाओं के लिए सैकड़ों आश्रय खोले हैं, जिनके साथ दुर्व्यवहार किया गया है, उन्हें छोड़ दिया गया है या जो सड़कों पर काम करती हैं। लेकिन आज, सरकार द्वारा संचालित आश्रयों और विभिन्न चौरिटीज् द्वारा बेघर लोगों तथा घरेलू दुर्व्यवहार पर ध्यान केंद्रित करने के प्रसार के कारण उन संस्थानों की गिनती गम्भीर रूप से कम हो गई है। दुनिया भर में, सेवकाई शुरू होती हैं और फिर बंद हो जाती हैं, संस्थाएँ किसी एक सामाजिक जरूरत को संबोधित करने के साथ शुरुआत करती हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर दूसरी जरूरतों को पूरा करने के लिए बदलाव कर देती हैं। मुद्दा यह है कि मुक्ति फौज की बदलाव और विकास की यात्रा इसकी शुरुआत से ही एक पहचान रही है, और यह आज भी जारी है।

हाल के वर्षों में, मुख्य रूप से अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा संचालित, मुक्ति फौज ने बदलाव की अपनी यात्रा जारी रखी है।

वैश्विक प्राथमिकताएँ

2019 में, जनरल ब्रायन पैडल ने "वैश्विक प्राथमिकताएँ" पेश कीं, जो मुक्ति फौज के लिए 11 महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रित थीं। इन प्राथमिकताओं में संगठनात्मक विस्तार दिशा-निर्देश, Microsoft 365 अपग्रेड, COVID-19 सहायता, संचालन और नेतृत्व विकास जैसे मुद्दों को संबोधित किया गया।

2022 के वसंत में, जनरल पैडल ने जनरल काउंसिल (TGC) के समर्थन से,[2] एक मार्गदर्शक गठबंधन (चीफ ऑफ स्टाफ की अध्यक्षता में) के निर्माण की बुलाहट दी। मार्गदर्शक गठबंधन का उद्देश्य दोहरा था: जनरल पैडल द्वारा प्रस्तावित 11 रणनीतिक प्राथमिकताओं पर हुई प्रगति की समीक्षा करना और भविष्य के लिए रणनीतिक प्राथमिकताओं के एक नए सेट की पहचान करना। इन कार्यों को TGC और साल्वेशन आर्मी इंटरनेशनल ट्रस्टी कंपनी (SAITCo) द्वारा समर्थन दिया गया।

जनरल की परामर्शदात्री काउन्सिल[3] (GCC55) (23-25 मई 2022) की बैठक में, जनरल पैडल ने रणनीतिक परिवर्तन की खोज जारी रखी। अपने मुख्य भाषण में, जनरल ने निम्नलिखित सवाल रखे:

- क्या ऑफिसर और सिपाही स्पष्ट हैं और इस बात से जुड़े हैं कि हम यहाँ क्यों हैं?
- मिशन की प्रगति में क्या बाधाएँ हैं और हम इनका प्रबंधन कैसे करते हैं?
- रुझानों को उलटने और फल देने के लिए किन कार्यों की आवश्यकता है?
- क्या धर्म-शास्त्र के अधिकार के बारे में हमारी मान्यताएँ स्पष्ट हैं?
- मसीहत/संस्कृति के संदर्भ में, क्या हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं?
- क्या हम वास्तव में अपनी ताकत और भविष्य की क्षमता के एक प्रमुख तत्व के रूप में सिपाही बनने पर पर्याप्त ध्यान केंद्रित कर रहे हैं?

इसके बाद उन्होंने बयान दिया, 'मैं आपको सुझाव देता हूँ कि जब हम कई स्थितियों का प्रबंधन कर रहे हैं, तो हम नियमित रूप से मुख्य प्राथमिकताओं के इर्द-गिर्द अपनी रणनीति पर लौट रहे हैं। ऐसा करने में कोई भी विफलता मुक्ति फौज को संकट में डालने का संकेत देती है और मैं अनुरोध करता हूँ कि हम ऐसा न करें।

आज के जरूरी मुद्दों को संबोधित न करके मुक्ति फौज को संकट में डालना एक ऐसा जोखिम है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसलिए, पिछली 11 वैश्विक प्राथमिकताओं की स्थिति निर्धारित करने के लिए आगे काम किया गया और चीफ ऑफ स्टाफ (कमिश्नर लिंडन बकिंघम) के नेतृत्व में, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ लीडर्स (आईसीएल) 2022 में प्राथमिकताओं का एक संशोधित सेट विकसित किया गया। पंद्रह नई प्राथमिकताएँ बनाई गई जो उस समय के सभी अन्तर्राष्ट्रीय अगुवों की संयुक्त सोच का प्रतिनिधित्व करती थीं।

[2]1991 में स्थापित जनरल काउंसिल (TGC) मुक्ति फौज को संचालित करने में जनरल को सलाह देती है। इसमें लंदन स्थित सभी सक्रिय आई.एच.क्यू. कमिश्नर और चीफ़ सेक्रेटरी शामिल हैं, और जनरल की अध्यक्षता में मासिक बैठक होती है।

[3]1991 में स्थापित जनरल की परामर्शदात्री काउन्सिल, मुक्ति फौज की मिशन रणनीति और नीति से संबंधित व्यापक मामलों पर जनरल को सलाह देती है। चयनित कार्मिक जनरल की अध्यक्षता में, वर्ष में तीन बार से अधिक नहीं, बैठकों के लिए एकत्रित होते हैं।

कम्पास: वैश्विक रणनीतिक रूपरेखा

नए जनरल के चुनाव के बाद, वरिष्ठ अगुवों की दो और बैठकें (GCC56 4-6 सितंबर 2023 और GCC57 18-20 मार्च 2024) आयोजित की गईं। जनरल बकिंघम ने प्रतिभागियों को आने वाले वर्षों में मुक्ति फौज कैसी दिखेगी, इसे परिष्कृत करने के लिए सहयोगात्मक कार्य जारी रखने का निर्देश दिया। यह दस्तावेज जनरल की परामर्शदात्री काउन्सिल के परिणामों का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके परिणामस्वरूप स्वीकृत कम्पास: वैश्विक रणनीतिक रूपरेखा तैयार हुई।

आज जब हम मुक्ति फौज के मुद्दों और दुनिया भर के अगुवों द्वारा पहचानी गई नई प्राथमिकताओं को देखते हैं, तो यह स्पष्ट है कि अनुकूली परिवर्तन - ऐसा परिवर्तन जिसके लिए समय के साथ धैर्य, जोखिम उठाने और सहयोग की आवश्यकता होगी - की आवश्यकता होगी। सफलता के लिए लोगों के मन और दिल में बदलाव की आवश्यकता होगी। समाधान तुरंत स्पष्ट नहीं होंगे। लेकिन वे तब सामने आएंगे जब हम प्रार्थनापूर्वक, धैर्यपूर्वक और सक्रिय रूप से नई प्रथाओं, सेवकाई के नए मॉडलों का अनुसरण करेंगे और पवित्र आत्मा के मार्गदर्शन के बारे में निरंतर जागरूकता बनाए रखेंगे।

इसका प्रयोजन किसके लिए है?

इस दस्तावेज का उद्देश्य आम जनता को उस रणनीतिक दिशा के बारे में सूचित करना है जिस पर मुक्ति फौज अगले पाँच वर्षों के लिए ध्यान केंद्रित करेगी। यह वैश्विक दिशा प्रस्तुत करने की जनरल की इच्छा को दर्शाता है। यह वर्षों के संवाद, प्रार्थना और तैयारी के काम को एक साथ लाता है। आगे दी गई जानकारी उस रूपरेखा का वर्णन करती है जो मोटे तौर पर मुक्ति फौज के मिशन और जनता के लिए सेवकाई की दिशा को सारांशित करती है। हालाँकि, यह निर्दिष्ट नहीं करता है कि कोई व्यक्तिगत टैरिटरी अपने संचालन को इस पहल के साथ कैसे संरेखित करेगा।

राष्ट्रीय रणनीतियों को विकसित करने और कार्यान्वित करने के लिए वर्तमान में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्य को कम करने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। कम्पास दुनिया भर में मौजूद रणनीतियों और दृष्टिकोणों को पीछे नहीं छोड़ता। हालाँकि, यह एक ऐसा ढाँचा प्रदान करता है जिसमें वैश्विक कार्य को रणनीतिक रूप से संरेखित किया जा सकता है। जैसा कि एक टैरिटोरियल अगुवे ने कहा: "हम सभी एक ही राजमार्ग पर वाहनों में सवार हैं। अब हम [दिशा] और गंतव्य [जिस ओर] जा रहे हैं, जानते हैं।"

इसके अतिरिक्त, यह भी स्वीकार किया जाता है कि कुछ देश दूसरों की तुलना में इस ढाँचे के विशेष क्षेत्रों पर अधिक ध्यान केंद्रित करेंगे। यह समझ में आता है। लेकिन इस ढाँचे के सभी पहलुओं के बारे में जागरूकता, उद्देश्यों को पूरा करने के लिए साझेदारी और सफलता प्रदर्शित करने के लिए जवाबदेही के साथ मिलकर, आवश्यक होगी।

अन्तर्राष्ट्रीय मिशन विवरण

मुक्ति फौज, एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, जो विश्वव्यापी मसीही कलीसिया के सुसमाचार प्रचार कार्य का एक अभिन्न अंग है। इसका **संदेश** पवित्र बाईबल पर आधारित है। इसकी सेवकाई परमेश्वर के प्रेम से प्रेरित है। इसका **उद्देश्य** यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करना और बिना किसी भेदभाव के उसके नाम पर मानवीय जरूरतों को पूरा करना है।

कम्पास आशय विवरण

करनी और कथनी में परमेश्वर के प्रेम और परिवर्तनकारी कार्य को बांटना।

कम्पास के लिए दर्शन

हम सशक्त लोगों की एक नवीनीकृत वैश्विक मुक्ति फौज की कल्पना करते हैं, जो दुनिया भर के स्थानीय समुदायों में मसीह के प्रेम और परमेश्वर की परिवर्तनकारी शक्ति को बांटने के लिए तैयार हैं।

तीन क्षेत्र
ध्यान केंद्रित करने के

जनरल काउन्सिल (TGC), साल्वेशन आर्मी इंटरनेशनल ट्रस्टी कंपनी (SAITCo) और जनरल की परामर्शदात्री काउन्सिल (GCC) ने ध्यान केंद्रित करने के लिए तीन क्षेत्रों को अपनाया है (नीचे देखें) जो सभी मुक्ति फौजिया ऑफिसरों और सिपाहियों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं क्योंकि वह संस्था के वैश्विक प्रभाव को मजबूत करना चाहते हैं।

इतिहास, मिशन और भविष्य की मुक्ति फौज के दर्शन के साथ मेल खाती एक वैश्विक रूपरेखा विकसित करने के अलावा, यह स्वीकार किया जाता है कि मुक्ति फौज की दुनिया भर में स्थानीय रणनीतियाँ और प्राथमिकता रूपरेखाएँ मौजूद हैं। इस रणनीति का उद्देश्य दुनिया भर की टैरिटारियों में पहले किए गए काम को खत्म करना नहीं है, बल्कि यह रणनीतिक दिशा प्रदान करेगा जो सभी टैरिटारियों को सहकारी मिशन में संरेखित करेगा और यह निर्धारित करेगा कि संसाधन और उपकरण कहाँ निर्देशित किए जाएँगे।

1. एक वैश्विक फौज होने के नाते हम **लोगों को सशक्त बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।**
2. एक वैश्विक फौज होने के नाते हम **मिशन प्रभाव को बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।**
3. एक वैश्विक फौज होने के नाते हम **एक स्थायी विरासत स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।**

निम्नलिखित अनुभाग ध्यान केंद्रित करने के क्षेत्रों की रूपरेखा प्रदान करेंगे, न कि प्रत्येक की पूरी सीमा और गहराई।

1 लोगों को सशक्त बनाना

सेवकाई के अगुवों को सुसज्जित करने और प्रशिक्षित करने, हमारी कोरों और संस्थानों के माध्यम से मसीह की देह का निर्माण करने और हमारी सेवकाईयों में शामिल सभी लोगों को हमारे मिशन के लिए हमारी प्रेरणा और कार्यान्वयन की मूलभूत समझ के साथ आधार प्रदान करने के महत्वपूर्ण महत्व को पहचानते हुए, हम प्रक्रियाओं को अनुकूलित करेंगे, संसाधनों को निर्देशित करेंगे और हमारे काम के साथ गठबंधन में **लोगों को सशक्त बनाने** के लिए प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करेंगे।

यह क्यों मायने रखता है।

- क्योंकि जमायत को पवित्र जीवन और बाईबल आधारित न्याय प्रथाओं का पालन करना चाहिए।
- अगुवों का बेहतर प्रशिक्षण और सुसज्जित होना सेवकाई की जिम्मेदारियों का अधिक समर्थन करेगा।
- वेस्लेयन पवित्रता सिद्धांतों को फिर से लागू करना हमारे धार्मिक मूल्यों की पुष्टि करेगा और पवित्र जीवन जीने के हमारे दृढ़ संकल्प का समर्थन करेगा।
- इंजील और इंजीलवादी विषयों को गहरा करना हमें श्मुक्तिश के लोग होने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाएगा।
- हमारे लोगों को हमारे मिशन को जीने के लिए प्रोत्साहित करना समुदायों और मण्डलियों को मजबूत करेगा।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि कर्मचारी और स्वयंसेवक हमारे मिशन की मसीही प्रेरणा और प्रथाओं को समझें।

अपेक्षित परिणाम

- ऑफिसरों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रशिक्षित करने के लिए प्रासंगिक और भाषा-उपयुक्त संसाधनों से लैस प्रशिक्षण महाविद्यालय
- मुक्ति फौज की पवित्रता परंपरा और प्रथाओं पर अधिक टैरिटोरियल ध्यान
- आत्मिक अनुशासन, मुक्ति फौज की विशिष्टताएं, मुक्ति फौज की पहचान और युवा आत्मिक गठन सामग्री जैसे संसाधन सामग्री का नियमित उत्पादन और समन्वय
- अधिक मण्डली विकास और एकीकृत मिशनरी पहलों का प्रावधान
- सामाजिक मुद्दों से जुड़ने वाली अधिक स्वागत करने वाली मण्डलियाँ
- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की बढ़ती संख्या जो मुक्ति फौज के दर्शन, मिशन और मूल्यों को समझते हैं और उन्हें अपनाते हैं।

आई.एच.क्यू. जुड़ाव

इस रणनीति में ऐसे पहलू हैं जिन्हें आई.एच.क्यू. द्वारा डिजाइन और समन्वित किया जाएगा क्योंकि वह वैश्विक संचालन, नीति और जनरल द्वारा अनुमोदित पहले से आवंटित कार्मिक समर्थन पर ध्यान केंद्रित करते हैं:

- मानवीय लैंगिकता जागरूकता और संवाद
- संसाधन सामग्री का विकास और वितरण
- अन्तर्राष्ट्रीय धर्म-सिद्धान्त काउन्सिल
- अन्तर्राष्ट्रीय अफसर प्रशिक्षण और अगुवा विकास काउन्सिल
- अन्तर्राष्ट्रीय आत्मिक जीवन और नेतृत्व विकास अनुभागों का निरंतर विकास।

हम इसे कैसे करेंगे

चार कार्यधाराएँ इस फोकस क्षेत्र के उद्देश्यों को संबोधित करेंगी और कार्यधारा से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचार करेंगी साथ ही, कार्रवाई के लिए जनरल को विशिष्ट सिफारिशें भी की जाएंगी। हालांकि, निम्नलिखित जानकारी केवल उन कार्यधाराओं पर केंद्रित होगी जो आम जनता को प्रभावित करेंगी।

1) आत्मिक जीवन

- दुनिया भर में हर टैरिटरी में आत्मिक जीवन विकास सेक्रेटरियों की स्थापना, जो मुक्ति फौज और उसके सदस्यों की आत्मिक भलाई को सक्रिय रूप से प्राथमिकता देते हैं।
- टैरिटारियाँ संसाधन-साझाकरण में लगी हुई हैं और सोच-समझ कर विचारों को साझा कर रही हैं।
- आत्मिक जीवन विकास सेक्रेटरियों द्वारा डिजाइन किए गए संचार चैनलों का नियमित उपयोग।
- मुक्ति फौज द्वारा आयोजित महत्वपूर्ण वैश्विक पहलों में मुक्ति फौजियों की सक्रिय भागीदारी।
- सेमिनार और ब्रेंगल संस्थानों के माध्यम से मुक्ति फौज की पवित्रता परंपरा के बारे में जागरूकता बढ़ाना और पवित्रता से व्यावहारिक जीवन जीना।
- विश्वव्यापी प्रार्थना सभा पहल के माध्यम से प्रार्थना में भाग लेने वाले प्रतिभागियों की संख्या में वृद्धि।
- सभी टैरिटारियों में मुक्ति फौज के मिशन के साथ जुड़े कार्यक्रमों और परियोजनाओं का कार्यान्वयन।
- व्यक्तिगत साक्ष्यों, व्यवहारिक परिवर्तनों और सेवकाई के प्रभाव के माध्यम से प्रदर्शित आत्मिक विकास और परिवर्तन के मापनीय प्रमाण।
- ऑफिसर, सिपाही और अगुवा मसीह के मूल्यों को जी रहे हैं और मुक्ति फौज के मिशन और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उद्देश्य : प्रत्येक मुक्ति फौजिया के बीच आत्मिक गहराई और पवित्रता के प्रति प्रतिबद्धता को बढ़ाना और मुक्ति फौज के रूप में अपने मिशन और पहचान के प्रति सच्चे रहना।

सफलता के संकेतक :

- मुक्ति फौज सेवकाई में लगे लोग अधिक मसीह-समान तरीके से जीने की कोशिश करेंगे।
- मुक्ति फौज के कर्मचारी, स्वयंसेवक और मित्र परमेश्वर के राज्य के लिए अधिक फल लाएंगे।
- मुक्ति फौज सेवकाई से जुड़े सभी लोग दूसरों की सेवा करने के लिए अपने आत्मिक उपहारों की खोज करेंगे और उनका उपयोग करेंगे।

2) नेतृत्व विकास

- उन टैरिटारियों के लिए निरंतर सीखने के लिए एक रूपरेखा का विकास, जहाँ यह मौजूद नहीं है
- ट्रेनिंग प्रिंसिपलों (अन्तर्राष्ट्रीय ऑफिसर प्रशिक्षण और अगुवा विकास काउन्सिल [IOTALDC] द्वारा एक ट्रेनिंग प्रिंसिपल मैनुअल पहले ही तैयार किया जा चुका है) और ट्रेनिंग स्टाफ के लिए संसाधनों के भंडार (बूथ यूनिवर्सिटी कॉलेज के साथ) पर काम जारी रखना - पाठ्यक्रम सामग्री और पाठ्यक्रम सलाह में बड़े ट्रेनिंग कॉलेजों के योगदान के साथ
- शैक्षिक शिक्षण मंचों के भंडार का विकास
- संसाधनों के आदान-प्रदान और आपसी प्रोत्साहन के लिए एक अगुवा विकास दल समूह की स्थापना
- भविष्य के/नए विभाग प्रमुखों के लिए एक परिचालन अगुवा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का विकास, जिसमें व्यक्तिगत और ऑनलाइन शिक्षण तत्व शामिल हैं।

उद्देश्य : ऐसे ऑफिसरों का विकास करना जो सेवक अगुवा हों, जो आत्मिक रूप से परिपक्व, सक्षम और अपनी वर्तमान और भविष्य की नियुक्तियों के लिए सुसज्जित हों।

सफलता के संकेतक :

- ऐसे अगुवा जो अपनी भूमिकाओं में सफल होंगे
- ऐसे ऑफिसर जो विभिन्न नियुक्तियों में प्रभावी रूप से सेवकाई करेंगे
- प्रत्येक अगुवा पर मिशनरी रूप से ध्यान केंद्रित होगा।

2 मिशन प्रभाव को बढ़ाना

प्रत्येक मसीही को परमेश्वर के मिशन (मिसियो देई) में सक्रिय रूप से शामिल होने की बुलाहट दी जाती है। उस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, मुक्ति फौज आज कलीसिया में एक विशिष्ट भूमिका निभाती है। जो लोग हमारी सेवकाईयों से जुड़ते हैं और हमारी संस्था का समर्थन करते हैं, उनके लिए **मिशन प्रभाव को बढ़ाने** के लिए अधिक प्रयास की आवश्यकता है।

यह क्यों मायने रखता है।

- नए और प्रासंगिक सेवकाई मॉडल विकसित करने का दृढ़ संकल्प नवाचार और नए मिशनरी विकास को जारी करेगा।
- मण्डली की सदस्यता और वाचा की स्पष्ट रूप से समझी गई परिभाषाएँ आत्मिक प्रतिबद्धता की ओर ले जाएँगी।
- पुष्टि करना, गले लगाना और संबंधित होना समकालीन अवधारणाएँ हैं जो मुक्ति फौज मण्डली नेतृत्व में स्पष्टता लाएँगी।
- मुक्ति फौज की एकीकृत मिशनरी विशिष्टताओं के बारे में अधिक जागरूकता समुदाय की जरूरतों को पूरा करने के लिए मण्डलियों को जुटाने में मदद करेगी।

अपेक्षित परिणाम

- दुनिया भर की टैरिटारियों में सामूहिक आराधना के नए रूपों का निर्माण।
- अनुपालन और कोर सदस्यता पर स्पष्टता का विकास।
- ऑफिसर होने और सिपाही होने को परिभाषित करने में मदद करने के लिए वाचा की समकालीन समझ की स्थापना।
- 'गैर-परक्राम्य' पहचान सुविधाओं का विकास।
- टैरिटारियों को आई.एच.क्यू. के साथ अपने संबंधों की स्पष्ट समझ होना।
- कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को मिशन विवरण की पूर्णता में अपनी भूमिका का पता होना।

आई.एच.क्यू. जुड़ाव

- वाचा संबंध की धर्म-सैद्धांतिक समझ
- आई.एच.क्यू. / टैरिटोरियल मुख्यालय (टी.एच.क्यू.) संबंध पर संवाद
- अनुपालन और सदस्यता कार्य समूहों का विकास
- मिशन-संचालित नवाचार पर सम्मेलन।

हम इसे कैसे करेंगे

चार कार्यधाराएँ इस फोकस क्षेत्र के उद्देश्यों को संबोधित करेंगी और कार्यधारा से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचार करेंगी, साथ ही कार्रवाई के लिए जनरल को विशिष्ट सिफारिशें भी करेंगी। हालाँकि, निम्नलिखित जानकारी केवल उन कार्यधाराओं पर ध्यान केंद्रित करेगी जो आम जनता को प्रभावित करेंगी।

1) सदस्यता

हम इस तरह के सवालों का पता लगाएंगे: "आज हम सदस्यता को कैसे समझते हैं और मुक्ति फौज में शामिल होने का क्या मतलब है?" और "लोगों को सदस्य बनने से क्या रोकता है?"

उद्देश्य : मुक्ति फौजिया सहभागिता में लोगों के शामिल होने के तरीके को परिभाषित करने में स्पष्टता और सटीकता स्थापित करना।

सफलता के संकेतक :

- सदस्य होने का क्या मतलब है, इस पर स्पष्टता
- क्या 'अनुयायी' शब्द आज प्रासंगिक है
- कौन सदस्य बन सकता है और नेतृत्व के अवसर।

2) मिशन एकीकरण

हमारा मिशन हमारी पहचान का एक मूलभूत पहलू है। व्यक्तिगत और सामाजिक उद्धार की हमारी सेवकाई को एकीकृत करना, सुसमाचार प्रचार और मण्डली के विकास पर ध्यान केंद्रित करना इस कार्यप्रवाह का समर्थन करेगा।

उद्देश्य: कोर और संगती सिद्धांतों को स्थापित करना जो मिशन को एकीकृत करेंगे और मण्डली के विकास को सुविधाजनक बनाएंगे।

सफलता के संकेतक :

- मण्डली जो मुक्ति फौज की सेवकाई की विशिष्टताओं की गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करेगी
- दुनिया भर के पड़ोसी देश परमेश्वर के राज्य को कार्रवाई में देखेंगे
- हमारी कोर सेवकाई उनकी सामुदायिक आवश्यकताओं से विशिष्ट रूप से प्रभावित होंगी।

3 एक स्थायी विरासत को स्थापित करना

प्रत्येक मसीही को परमेश्वर के मिशन (मिसियो देई) में सक्रिय रूप से शामिल होने की बुलाहट दी जाती है। उस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, मुक्ति फौज आज कलीसिया में एक विशिष्ट भूमिका निभाती है। जो लोग हमारी सेवकाईयों से जुड़ते हैं और हमारी संस्था का समर्थन करते हैं, उनके लिए **मिशन प्रभाव को बढ़ाने** के लिए अधिक प्रयास की आवश्यकता है।

यह क्यों मायने रखता है।

- परमेश्वर हमसे अच्छे भण्डारी होने की अपेक्षा करता है।
- टैरिटोरियल भण्डारीपन सीधे सीमित संसाधनों के आवंटन से संबंधित है।
- अधिक सामान्य मानवीय आवश्यकताओं के बजाय सबसे कमजोर लोगों की मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने की रणनीतियाँ, कार्यक्रम के फोकस को परिभाषित करने में मदद करेंगी।
- अन्तर्राष्ट्रीय वित्तपोषण पर निर्भरता की निगरानी करने से भागीदारों को टैरिटोरियल स्व-संसाधनों का समर्थन करने में मदद मिलेगी।
- कर्मियों का पर्याप्त साझाकरण नेतृत्व विकास और अन्तर्राष्ट्रीयता सुनिश्चित करेगा।
- प्रत्येक अफसर की आत्मिक और भौतिक भलाई के प्रति प्रतिबद्धता संगठनात्मक गरिमा और अफसरों के मूल्य को प्रदर्शित करेगी।

अपेक्षित परिणाम

- वर्तमान और नए कार्यक्रम पहलों पर टैरिटोरियल रणनीतिक विचार
- नेतृत्व विकास के लिए साझा सीखने और तैनाती के अवसर
- टैरिटोरियल वित्त की अधिक स्थिरता
- पर्यावरण पर मुक्ति फौज के प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करना।

आई.एच.क्यू. जुड़ाव

- एक अन्तर्राष्ट्रीय वित्त सम्मेलन आयोजित करना
- IFAS, NetSuite और टैरिटोरियल समर्थन यात्राओं का निरंतर विकास
- इंटरनेशनल रेजीलिएन्स टीम।

हम इसे कैसे करेंगे

चार कार्यधाराएँ इस फोकस क्षेत्र के उद्देश्यों को संबोधित करेंगी और कार्यधारा से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचार करेंगी, साथ ही कार्रवाई के लिए जनरल को विशिष्ट सिफारिशें भी देंगी। इन मामलों पर अधिकांश कार्य अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा समन्वित किए जाएँगे।

1) संसाधन आवंटन

- एक वैश्विक फंडिंग ब्लूप्रिंट की उपलब्धता जो फंडिंग के विभिन्न स्रोतों की पहचान करती है और उन्हें वैश्विक स्तर पर मिशन को आगे बढ़ाने के लिए रणनीतिक रूप से कैसे लागू किया जाना है।
- वैश्विक संस्था के लिए फंडिंग सिद्धांतों के एक स्पष्ट सेट का समझौता, जिसमें फंडिंग का उद्देश्य और सीमा शामिल है।
- व्यक्तिगत टैरिटरियों की भविष्य की वित्तीय स्थिरता के लिए एक स्थापित योजना।

उद्देश्य: उपयुक्त टैरिटोरियल संसाधन आवंटन की समीक्षा और मूल्यांकन करना।

सफलता के संकेतक :

- टैरिटरियों को मिलने वाले आई.एच.क्यू. समर्थन की समीक्षा की जाएगी और पुष्टि की जाएगी
- टैरिटरियों को अधिक पर्याप्त संसाधन और वित्तीय रूप से सुरक्षित बनाया जाएगा
- प्रत्येक टैरिटोरियल मुख्यालय आय के लिए उपयुक्त संचालन के लिए प्रतिबद्ध होगा।

2) संस्थान

- दुनिया भर में मुक्ति फौज में प्रमुख संस्थानों का एक प्रलेखित स्नैपशॉट जो स्थिरता (वित्तीय, मानव संसाधन, बुनियादी ढाँचा, आदि) के विरुद्ध मिशन प्रभाव को मापता है
- व्यक्तिगत संस्थानों में वित्तीय स्थिरता या मिशन प्रभाव और सेवा वितरण को बढ़ाने की रणनीति, जो वैश्विक और टैरिटोरियल मिशन उद्देश्यों, स्थानीय समुदाय की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं और पर्यावरणीय स्थिरता पर विचार करती है
- अन्य मिशन परिणामों की वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए उन संस्थानों के पुर्नसंरेखण या पुर्नउद्देश्यीकरण को संबोधित करने की रणनीति जो न तो टिकाऊ हैं और न ही मिशन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उद्देश्य: संस्थागत सेवा में उत्कृष्टता को अधिकतम करना और अन्तर्राष्ट्रीय वित्त पोषण पर निर्भरता को कम करना।

सफलता के संकेतक:

- व्यापक समीक्षा से टैरिटोरियल संचालन पर संस्थागत सेवाओं के वित्तीय प्रभाव का पता चलेगा।
- टैरिटोरियल बजट पर न्यूनतम प्रभाव के साथ संस्थागत सेवाओं को उत्कृष्टता के साथ संचालित करने के लिए रणनीतियाँ विकसित की जाएँगी।
- हमारी देखभाल में लोगों से जुड़े संगठनात्मक जोखिम में उल्लेखनीय कमी आएगी।

Cuba
Czech Republic
THE SALVATION ARMY

4) प्रभावशाली मुख्यालय

मुक्ति फौज मुख्य रूप से डिवीजनल, टैरिटोरियल और अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालयों के माध्यम से अपने काम की देखरेख और समर्थन करती है। यह कार्यप्रवाह दुनिया भर में टी.एच.क्यू. के संचालन पर ध्यान केंद्रित करेगा।

उद्देश्य: प्रत्येक टी.एच.क्यू. में उद्देश्य के अनुकूल संचालन और प्रबंधन संरचनाएँ और संगत बजट हैं।

सफलता के संकेतक :

- टी.एच.क्यू. में उनके बजट और संचालन के अनुरूप स्टाफिंग संरचना होगी
- टी.एच.क्यू. में प्रमुख कुशल पदों (जैसे वित्त, सामाजिक, ट्रेनिंग कॉलेज) पर पर्याप्त स्टाफ होगा
- प्रबंधनीय लागत टैरिटोरियल बजट की तुलना में स्वीकार्य स्तर को दर्शाएगी।

सफलता
के लिए क्या आवश्यक है?

1. संचार

रणनीति के सभी हितधारकों को प्रभावी संचार के साथ, उनकी भूमिकाओं और दर्शन को प्राप्त करने की दिशा में की जा रही प्रगति की जानकारी देते हुए, हितधारकों की भागीदारी, भूमिका की स्पष्टता और हमारी प्रगति को दर्शाने वाले सहायक अपडेट होंगे।

2. नेतृत्व

नेतृत्व के सभी स्तरों को हितधारकों के मोहभंग और उदासीनता के जोखिम से बचने के लिए रणनीतिक ढांचे में सोच-समझ कर भाग लेना चाहिए ताकि उद्देश्यों को आगे बढ़ाना जारी रखा जा सके।

3. संसाधन

रणनीतिक ढांचे को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन (समय, कार्मिक, धन) आवंटित किए जाने चाहिए, अन्यथा हम नवाचार से समझौता करने और यह धारणा बनाने का जोखिम उठाते हैं कि हम रणनीति को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

4. खरीद-फरोख्त

सभी सिपाहियों, अफसरों, कर्मचारियों और अगुवों को रणनीतिक ढांचे के बारे में पता होना चाहिए, और प्रगति को कम करने और अंततः रुकने से बचाने के लिए सीधे या परोक्ष रूप से रणनीति में भाग लेना चाहिए।

5. तकनीक

ऑफिसरों और सिपाहियों को सूचित रखने और यह भरोसा दिलाने के लिए कि उन्हें रणनीतिक पहल में गंभीरता से लिया जा रहा है, संचार के लिए पर्याप्त हार्डवेयर और तकनीकी सहायता (वीडियो लिंक, ऑडियो फाइलों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से) की आवश्यकता है।

6. प्रार्थना

अंतिम, लेकिन निश्चित रूप से कम से कम नहीं, इस पूरी प्रक्रिया को प्रार्थना से घिरा होना चाहिए। हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि यह परमेश्वर की मुक्ति फौज है। हम सिर्फ एक समय के लिए भण्डारी हैं। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम अगली पीढ़ी के लिए आत्मा से भरी मुक्ति फौज छोड़ जाएँ। कम्पासः वैश्विक रणनीतिक रूपरेखा में पहचाने गए मुद्दे बहुत बड़े हैं - हमारी मानवीय क्षमता से परे। हालाँकि, प्रार्थना और अन्य आत्मिक अनुशासनों के माध्यम से, हम पौलुस के शब्दों का पालन कर सकते हैं: "हे भाइयो, मेरी भावना यह नहीं कि मैं पकड़ चुका हूँ; परन्तु केवल यह एक काम करता हूँ कि जो बातें पीछे रह गई हैं उनको भूल कर, आगे की बातों की ओर बढ़ता हुआ, निशाने की ओर दौड़ा चला जाता हूँ, ताकि वह इनाम पाऊँ जिसके लिये परमेश्वर ने मुझे मसीह यीशु में ऊपर बुलाया है।" (फिलिप्पियों 3:13-14)।

जवाबदेही और प्रभाव

इस दस्तावेज को मुक्ति फौज की दिशा और प्राथमिकताओं के लिए स्पष्ट अपेक्षाओं के साथ टैरिटोरियल रणनीतियों के साथ संरेखण प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इसे वर्तमान टैरिटोरियल अगुवों के एक-तिहाई के सहयोग से विकसित किया गया है और यह ICL और GCC परामर्शों पर आधारित है, जिसके परिणाम सभी टैरिटोरियल अगुवों की पहुँच में हैं।

स्पष्ट अपेक्षाओं, एक सामान्य उद्देश्य और एक सहयोगात्मक रूप से विकसित रणनीति के साथ, जो आवश्यक है वह है रणनीति को लागू करने के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए जवाबदेही।

जवाबदेही और प्रभाव संरचना मुख्य रूप से टैरिटोरियल समीक्षा और टैरिटोरियल सहायता यात्राओं में परिलक्षित होगी। वर्तमान में उपयोग किए जाने वाले प्रपत्रों को इन पृष्ठों पर कार्यप्रवाहों को प्रतिबिंबित करने के लिए संशोधित किया जाएगा। टैरिटोरियल अगुवों से अपेक्षा की जाएगी कि वह संकेतकों को ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट करें और उचित रूप से प्रभाव चित्रण प्रस्तुत करें।

निष्कर्ष

नीतिवचन 29:18 (KJV) में कहा गया है :

'जहाँ दर्शन नहीं होता,
वहाँ लोग नष्ट हो जाते हैं.....'

155 से अधिक वर्षों से, मुक्ति फौज ने मसीह की देह में अपने विशिष्ट कार्य और सेवकाई को बनाए रखने के लिए परमेश्वर पर अपना भरोसा और आशा रखी है। हम आशावादी और आशावान बने हुए हैं कि इन चुनौतीपूर्ण सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समय के बावजूद, हमारी एकता, साझा मिशन और वाचा संबंधी प्रतिबद्धता एक ऐसा भविष्य सुनिश्चित करेगी जो अतीत से बेहतर हो।

रणनीति का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा भविष्य में होने वाले किसी भी बदलाव के लिए तैयार रहना और इन बदलावों के परिणामस्वरूप आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी तरह से तैयार रहना है। यह रणनीतिक योजना मुक्ति फौज को अपने रणनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने और संगठनात्मक स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद करने के लिए तैयार की गई है। जबकि यह कम्पास: वैश्विक रणनीतिक रूपरेखा मुक्ति फौज को आने वाले वर्षों के लिए योजना बनाने और भविष्य की ओर आशा के साथ देखने में सक्षम बनाती है, हमारे लक्ष्यों तक पहुँचने और दुनिया को प्रभावित करना जारी रखने की हमारी क्षमता काफी हद तक इन सिद्धांतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और एक 'अत्यधिक अधिक' परमेश्वर पर हमारी निर्भरता से मापी जाएगी जिसकी हम सेवा करते हैं।

हम में से बहुत से लोग इस रणनीतिक योजना से होने वाले परिवर्तनों को नहीं देख पाएंगे। उन्हें समय लगेगा; वह नए मॉडल, सिस्टम और प्रथाओं का परिणाम होंगे; वह वर्तमान और उभरते संदर्भों का प्रतिबिंब होंगे जिसमें हम रहते हैं और सेवा करते हैं और मुक्ति फौज प्रभु की सेवा में वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपनी प्रासंगिकता और विशिष्टता का प्रदर्शन करना जारी रखेगी।

compass
The Salvation Army's Global Strategic Framework
People • Mission • Legacy

Compass के साथ, हम तीन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके परमेश्वर को सम्मानित करने वाली विरासत छोड़ने के लिए समर्पित हैं:

लोगों को सशक्त बनाना

लोग हमारे मिशन का केंद्रीय बिंदु हैं। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे लोग हमारे मिशन को समझें और वह इसे और अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करने में कैसे भाग ले सकते हैं।

मिशन के प्रभाव को बढ़ाना

परमेश्वर ने हमें यह मिशन दिया है – यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करना और बिना किसी भेदभाव के उसके नाम में मानवीय जरूरतों को पूरा करना। परमेश्वर के मिशन को जानने और समझने से, हम भरोसा कर सकते हैं कि वह हमारा हर पल बदलते भविष्य में मार्गदर्शन करेगा।

एक स्थायी विरासत की स्थापना करना

जो कुछ भी हमारी देखभाल में सौंपा गया है, उन सभी चीजों के बेहतरीन भण्डारी बनकर हम भविष्य की पीढ़ियों को एक स्वस्थ, समृद्ध मुक्ति फौज सौंपने का प्रयास करेंगे।

12 प्राथमिकताएँ

लोग

1. **आत्मिक जीवन** – यीशु को जानें, यीशु की तरह बनें, वही करें जो यीशु ने किया।
2. **नेतृत्व विकास** – अगुवों को सभी जरूरी उपकरणों से लैस करें ताकि वे अधिक प्रभावशाली ढंग से काम कर सकें।
3. **ऑफिसर की बेहतरी** – ऑफिसरों के मानसिक, शारीरिक और आत्मिक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देना।
4. **ऑफिसर मुआवजा** – सभी सक्रिय ऑफिसरों को पूर्ण भत्ते प्रदान करना।

मिशन

5. **सदस्यता** – परिभाषित करना कि लोग मुक्ति फौज की संगति से कैसे जुड़ सकते हैं।
6. **वाचा** – 21वीं सदी के नजरिए से सिपाहियों और ऑफिसरों की वाचाओं की समीक्षा करना।
7. **आई.एच.क्यू./टी.एच.क्यू.** – अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय और टैरिटोरियल मुख्यालय के बीच संबंधों का आकलन करना।
8. **मिशन एकीकरण** – ऐसी रणनीतियाँ अपनाना जो कोर और सामाजिक सेवकाई वितरण को एकीकृत करें।

विरासत

9. **संसाधन आवंटन** – स्थानीय और वैश्विक वित्तीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता।
10. **संस्थान** – संस्थाओं में अपनी सेवाओं को उच्च दर्जे पर पहुँचाना।
11. **वैश्विक भागीदारी** – वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए नए रणनीतिक वित्तपोषित मॉडल स्थापित करना।
12. **टी.एच.क्यू. परिचालन कार्य** – हर टैरिटरी में ऐसी प्रणाली विकसित करना जो हमारे मिशन को बढ़ाने में दक्ष हो।